डेली न्यूज़ एक्टिविस्ट
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लखनऊ, सोमवार, 5 नवंबर 2012
http://www.dailynewsactivist.com/epapermain.aspx

आईसीएआई में 30 तक होंगे प्रवेश

डेली न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। द इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के प्रवेश 30 नवंबर तक होंगे। यह जानकारी देते हुए संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य के विकास में कास्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंट्स अहम भूमिका निभा रही है। बताया कि हमारी संस्था के सदस्य देश, विदेश में कार्य कर रहे हैं। संस्था मिनिस्ट्री ऑफ कारपोरेट अफेयर्स भारत सरकार के आधीन काम करती है।

- द इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया करेगी जॉब की राह आसान : अध्यक्ष

भारत में एक मात्र लागत निर्धारण एवं प्रबंधन की वैधानिक विशेषज्ञ है। संस्था के चार क्षेत्रीय कार्यालय हैं। 95 चैप्टर, आठ विदेशी चैप्टर, देश विदेश में फैले हुए 50,000 से अधिक सदस्य और लगभग 4,50,000 विद्यार्थी हैं। भारत सरकार ने आल इंडिया कैडर की भारतीय कास्ट एकाउंटस् सर्विस, जो क्लास-एक सर्विस के समकक्ष है, उसमें हमारे सदस्य भारत सरकार एवं राज्य सरकारों को लागत एवं विभिन्न वस्तुओं के मूल्य निर्धारण करने में, कर योजना बनाने में, टैरिफ फिक्सेशन करने में सलाहकार की भूमिका निभाते हैं। बताया कि सदस्य यूपी वैट एक्ट, सेंट्रल एक्साइज एक्ट 1944, इत्यादि में एवं विभिन्न मंत्रालयों जैसे मिनिस्ट्री ऑफ कामर्स, मिनिस्ट्री ऑफ केमिकल एण्ड फर्टिलाइजर, मिनिस्ट्री ऑफ कन्ज्यूमर एफेयर्स, फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन, मिनिस्ट्री ऑफ कारपोरेट एफेयर्स, सब्सिडी निर्धारण, लागत निर्धारण, बजट निर्धारण, सार्टिफिकेट और सलाहकार के रूप में हमारी सेवाएं लेने के लिये कई अधिसूचनायें जारी की है। कास्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंट संस्था के सदस्य किसी कंपनी का कास्ट एकाउंटिंग रिकार्ड बनने, कास्ट आडिट सरकारी, स्पेशल आडिट का कार्य करते हैं। बताया कि आजकल केवल बीकाम और एमकाम से काम नहीं चलता। इसके साथ प्रोफेशनल्स डिग्रियां भी जरूरी हो गयी हैं। इनसे जॉब की राह काफी आसान हो जाती है। द इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया का कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी से संबंधित कोर्स भी ऐसा ही एक कोर्स है। बताया कि यह सच है कि अमेरिका से उपजी आर्थिक मन्दी ने अपना दायरा बढ़ाना शुरू कर दिया है। यह संकट यूरोप और एशिया को भी लपेट में ले रहा है। ऐसे संकट से निपटने वाले कास्ट कटिंग, कास्ट एण्ड मैनेजमेंट अकाउन्टिंग प्रोफेशनल्स की मांग अचानक बढ़ गयी है। इस दौरान कंपनियों ने मंदी के असर को कम करने के लिए अपने गैर जरूरी खर्च में कटौती का रास्ता तलाशा था। इस प्रक्रिया का उनको फायदा भी मिला था। यही वजह है कि कॉस्ट कटिंग एवं अकाउंट से संबंधित प्रोफेशनल्स की डिमांड तेजी से उभरी थी। यह डिमांड आज भी बदस्तूर जारी है।